पानी की कीमत

किसी नगर में एक दयालु सेठ जी रहते थे। वे कपड़े का व्यापार करते थे। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी।

सेठ जी ने सुना था कि हरिद्वार में कोई महात्मा रहते हैं। उन्होंने सेठानी से कहा, "चलो, महात्मा जी के पास चलते हैं। उनके दर्शन भी कर लेंगे और संतान पाने के लिए आशीर्वाद भी ले लेंगे।"

सेठ जी ने एक घोड़े पर ज़रूरी सामान लदवाया। साथ में दो नौकर भी ले लिए और हरिद्वार के लिए निकल पड़े। दोपहर के समय

OPPO F15 · ©Shot By S.K.R
2020/11/24 11:15

सेठ जी ने सुना तो कहा, "चलो, महात्मा जी के पास चलते हैं। उनके दर्शन भी कर लेंगे और संतान पाने के लिए आशीर्वाद भी ले लेंगे।"

सेठ जी ने एक घोड़े पर ज़रूरी सामान लदवाया। साथ में दो नौकर भी ले लिए और हरिद्वार के लिए निकल पड़े। दोपहर के समय वे रास्ते में एक वृक्ष की ठंडी छाया में कुछ देर के लिए

शब्द-संपदा

दयालु (kind hearted) = दया करने वाले

OPPO F15 · ©Shot By S.K.R
20/11/24 11:16

रुक गए। उन्हें प्यास लगी थी। पास ही एक कुआँ था। उन्होंने नौकर से कहा, "जाओ, कुएँ से पानी भरकर ले आओ।"

नौकर कुएँ के पास पानी भरने पहुँचा। वहाँ एक **फटेहाल** व्यक्ति बैठा था। नौकर ने पानी लेना चाहा तो उसने टोका, "यहाँ मुफ़्त में पानी नहीं मिलता। पानी लेना है तो निकालो एक रुपया। यह कुआँ मेरा है।"

बेचारा नौकर पानी लिए बिना लौट आया। आकर उसने सारी घटना सेठ जी को सुना दी। सेठ जी स्वयं पानी लेने चल दिए। कुएँ

O F15 · ©Shot By S.K.R

बेचारा नौकर पानी लिए बिना लौट आया। आकर उसने सारी घटना सेठ जी को सुना दी। सेठ जी स्वयं पानी लेने चल दिए। कुएँ के पास पहुँचकर उन्होंने पानी लेना चाहा तो वह व्यक्ति

OPPO F15 · ©Shot By S.K.R
2020/11/24 11:16